04/11/2022

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर
मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवा
नागौर

अगले पांच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

मौसम कारक	4 नवंबर	5 नवंबर	6 नवंबर	7 नवंबर	8 नवंबर
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (ºC)	36	36	37	36	34
न्यूनतम तापमान (ºC)	19	20	20	20	18
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	7	5	3
अधिकतम सापेक्ष आद्रता (%)	29	29	28	28	39
न्यूनतम सापेक्ष आद्रता (%)	14	13	15	16	20
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	10	8	10	6
हवा की दिशा (डिग्री)	246	236	245	112	122

मौसम साराँश

दिन के समय तापमान गिरने होने की संभावना है। रात्रिकालीन तापमान बढ़ने की संभावना है। धीमी गति की उत्तरी–पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है।

सामान्य सलाह

रबी फसलों की बुवाई के लिए बीज एवं आवश्यकतानुसार बीजोपचार की व्यवस्था करें।

फसल विशिष्ट सलाह

फसल	फसल विशिष्ट सलाह	
गेहूं	गेहूं की फसल के लिए खेत की अच्छी तैयारी करने के बाद दीमक एवं भूमि में रहने वाले अन्य कीड़ों की रोकथाम हेतु क्यूनाल्फोस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जुताई के समय खेत में अच्छी तरह मिलाएं। बीज जनित रोगों से बचाव हेतु 2 ग्राम थाइरम प्रति किलो बीज की दर से	

	उपचारित कर काम में लेवें।
राया	बारानी राया की बुवाई 15 अक्टूबर तक तथा सिंचित राया की बुवाई अक्टूबर माह के अन्त तक कर दें। देर से बुवाई करने पर उपज में कमी होती हैं साथ ही चेंपा व सफेद रोली का प्रकोप भी अधिक होता हैं। बुवाई के लिये शुष्क क्षेत्रों में 4 से 5 किलों व सिंचित क्षेत्रों में 3–4 किलों बीज प्रति हैक्टर काम में लें। बुवाई कतारों में 30 से.मी. की दूरी पर करें। **उपयुक्त किस्में :** बायो 902 (पूसा जय किसान), एन. आर. सी. एच. बी. 101, आर. जी. एन. 145, गिरीराज व आर एच 749 किस्में काम में लें। सी. एस. 52 किस्म राजस्थान के लवणीय तथा क्षारीय भूमि वाले क्षेत्रों के लिये सिफारिश की गई है।
चना	बारानी चने के साथ राया की मिश्रित खेती करने पर अधिक लाभ मिलता हैं तथा चने पर पाले का असर भी कम होता हैं। **उपयुक्त किस्में :** आर.एस.जी. 974 (अभिलाषा), जी. एन. जी. 1581 (गणगौर), जी. एन. जी. 1958 (मरुधर), जी. एन. जी. 2144 (तीज) व जी. एन. जी. 2171 (मीरा) हैं। 55–75 किलों बीज प्रति हेक्ट्र बोने से पूर्व बीज को राईजोबियम कल्चर से उपचारित करें। बुवाई कतारों में 30 से.मी. की दूरी पर 5–7 से.मी. गहरा बोयें। चनें में 600 ग्रम पेन्डीमिथालिन सक्रिय तत्व को 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के 1 से 2 दिन बाद नम जमीन पर छिड़काव करें।
जौ	**उपयुक्त किस्में:** आर.डी. 2052, आर.डी. 2552 व आर.डी. 2035 नामक हैं। बी.एल. 2, आर. डी. 2715 व आर. डी. 2794 लवणीय तथा क्षारीय भूमि वाले क्षेत्रों के लिये सिफारिश की गई किस्में है।
ईसबगोल	ईसबगोल की बुवाई का उचित समय नवंबर का प्रथम पखवाड़ा है। **उपयुक्त किस्में:** जी.आई–2, आर.आई–1, आर.आई–89 की व्यवस्था करें।

Image source:
https://agritech.tnau.ac.in/index.html
Researchgate.net
University Research Farm